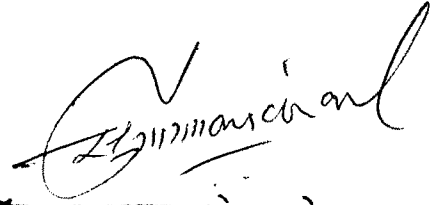


-: प्रमाणपत्र :-

प्रमाणित किया जाता है कि, शिवाजी विश्वपीठ,
कोल्हापुर की एम. फिल. उपाधि - हेतु श्री. जत्राते तुंडाप्पा
शिवलिंगा द्वारा प्रस्तुत "धोरेंद्र भास्थानाजी की कहानियों
के परिप्रेक्ष्य में समकालीन हिंदी कहानियों का विश्लेषण ।"
श्रीर्षक लघु शोध प्रबंध में आद्यंत पढ़ गया। संस्तुति है, कि इसे
एम. फिल. उपाधि के हेतु प्रस्तुत किया जाए।



[डॉ. सुधाकर गो. गोकुलकर.]

निर्देशक

डॉ. सुधाकर गोकुलकर,

सहायक शिक्षक,

शिवराज कॉलेज, महसिगळज,